वशि्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दविस

प्रलिमि्स के लयि:

वशि्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दविस, एनजीओ, संयुक्त राष्ट्र महासभा, आईपीओपी, राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाई), पीएमवीवीवाई, वयोश्रेष्ठ सम्मान, सेज पहल।

मेन्स के लयि:

बुजुर्गों से संबंधति मुद्दे, सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वशि्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दविस (WEAAD - 15 जून) की पूर्व संध्या पर, सामाजकि न्याय और अधकिारति मंत्रालय ने भारत में बुजुर्गों की स्थतिपिर एक रपिोर्ट जारी की है।

- यह रपिोर्ट 22 शहरों में एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा कयि गए सर्वेक्षण पर आधारति थी।

प्रमुख बदिु

बुजुर्ग दुर्व्यवहार:

- बुजुर्ग दुर्व्यवहार को 'एक एकल' या 'बार-बार होने वाली घटना' या उचति कार्रवाई की कमी के रूप में परभिाषति कयि जा सकता है, जो कसिी भी उस रशि्ते में हो सकती है जहाँ वशि्वास की उम्मीद होती है और कसिी बुजुर्ग व्यक्तकि नुकसान या परेशानी का कारण बनती है"।
- यह एक वैश्वकि सामाजकि मुद्दा है जो दुनयि भर में लाखों वृद्ध व्यक्तयिों के स्वास्थ्य और मानवाधकिारों को प्रभावति करता है तथा एक ऐसा मुद्दा है जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षति करता है।
- वृद्ध दुर्व्यवहार एक ऐसी समस्या है जो वकिासशील और वकिसति दोनों देशों में मौजूद है, फरि भी आमतौर पर वशि्व स्तर पर कम रपिोर्ट की जाती है।
  - प्रसार दर या अनुमान केवल चयनति वकिसति देशों में मौजूद हैं- 1% से 10% तक।
  - यह एक वैश्वकि बहुआयामी प्रतक्रियिा की मांग करता है, जो वृद्ध व्यक्तयिों के अधकिारों की रक्षा पर केंद्रति है।

WEAAD से संबंधति प्रमुख बदिु:

- **परचिय:**
  - WEAAD का आयोजन हर वर्ष 15 जून को कयि जाता है।
  - इसे वर्ष 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपने संकल्प 66/127 में आधकिारकि रूप से मान्यता दी गई थी।
- **थीम 2022:**
  - डजिटिल इक्वटिी फॉर आल एजेज़ (Digital Equity for All Ages)।
- **लक्ष्य:**
  - दुर्व्यवहार और नुकसान से ग्रसति बुजुर्ग लोगों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
    - इसका प्राथमकि लक्ष्य सांस्कृतकि, सामाजकि, आर्थकि और जनसांख्यकीय कारकों के बारे में**जागरूकता बढ़ाकर दुर्व्यवहार और उपेक्षा के संबंध में बेहतर समझ वकिसति करना है**।

रपिोर्ट की प्रमुख वशिेषताएँ:

- **आर्थकि स्थति:**
  - भारत में **47% बुजुर्ग आर्थकि रूप से अपने परविारों पर नरि्भर** हैं और 34% पेंशन और नकद हस्तांतरण पर नरि्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण

में 40% लोगों ने "यथासंभव " काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

- **काम करने के इच्छुक नागरिक:**
  - सर्वेक्षण के अनुसार, **71% वरिष्ठ नागरिक काम नहीं कर रहे थे,** जबकि 36% काम करने को तैयार थे और 40% "यथासंभव" काम करना चाहते थे।
    - **30% से अधिक बुजुर्ग विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिये अपना समय स्वेच्छा से देने** को तैयार थे।
- **स्वास्थ्य सुविधाएँ:**
  - **87% बुजुर्गों ने बताया कि आस-पास स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता है,** हालाँकि 78% बुजुर्गों ने एप-आधारित ऑनलाइन स्वास्थ्य सुविधाओं की अनुपलब्धता का उल्लेख किया और 67% बुजुर्गों ने बताया कि उनके जीवन में इस महत्त्वपूर्ण चरण में कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है तथा केवल 13% ही सरकारी बीमा योजनाओं के अंतर्गत आते हैं।
- **बुजुर्ग दुर्व्यवहार:**
  - 59% बुजुर्गों ने महसूस किया कि समाज में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार "प्रचलित" था, लेकिन 10% ने खुद के पीड़ित होने की सूचना दी।

संबंधित पहल :

- वृद्ध व्यक्तियों के लिये एकीकृत कार्यक्रम (IPOP)
- राष्ट्रीय वयोश्री योजना (RVY)
- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना **(PMVVY)**
- वयोश्रेष्ठ सम्मान
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण (MWPSC) अधिनियम, 2007
- एल्डर लाइन, पहला अखिल भारतीय टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (14567)
- SAGE **(सीनियर केयर एजिंग ग्रोथ इंजन)**

आगे की राह

- देश में वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।
- केंद्र को एक व्यापक निवारक पैकेज के साथ आगे कदम बढ़ाना चाहिये जो पोषण, व्यायाम और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने पर ध्यान आकर्षित करने के साथ सामान्य जराचिकित्सा समस्याओं के बारे में जागरूकता प्रदान करे।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-elder-abuse-awareness-day